

बैचलर ऑफ कॉमर्स

बी.कॉम का मतलब बैचलर ऑफ कॉमर्स और बैचलर ऑफ कॉमर्स है। बीकॉम 3 साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है। और इसे 6 सेमी मास्टरकार्ड में विभाजित किया गया है।

बी.कॉम कोर्स की पढ़ाई के लिए पात्रता:

- आवेदकों को 12वीं कक्षा पूरी करनी होगी।
- कक्षा 11 एवं 12 में वाणिज्य पाठ्यक्रम
यानी उन्हें वैकल्पिक विषय के रूप में अकाउंटेंसी, कॉमर्स, सामान्य विज्ञान और गणित का अध्ययन करना चाहिए।
आरएनआर एनथे दुतुथ
- छात्रों की कुल पूंजी का कम से कम 100%।
यदि आपने थीसिस अंकों के साथ उत्तीर्ण कर ली है तो भी आप इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकते हैं।
- ऊपर उल्लिखित शैक्षिक योग्यता और ग्रेड प्रतिशत प्रत्येक कॉलेज या विश्वविद्यालय के लिए अलग-अलग हैं।

तमिल में बी.कॉम कोर्स विषय:

1. वित्तीय लेखांकन
2. व्यावसायिक कानून
3. अर्थशास्त्र
4. कराधान
5. अंकेक्षण
6. लागत लेखांकन
7. वित्त
8. लेखांकन
9. बैंकिंग
10. बीमा

इस बीकॉम में ऐसे विषय उपलब्ध हैं। ये विषय विभिन्न कॉलेजों में अलग-अलग हैं। तमिल और पी.ओ. के साथ अट्टमाटुट
मिल्ला मल
अंग्रेजी जैसे विषयों का अध्ययन 2 वर्ष तक करना चाहिए।

बी.कॉम कोर्स श्रेणियाँ:

पहले सभी बीकॉम में एक ही पीएचडी कोर्स होता था। लेकिन अभी बीकॉम कोर्स में हैं

1. बी.कॉम सूचना प्रौद्योगिकी
2. बी.कॉम बैंक प्रबंधन
3. बीकॉम कंप्यूटर एप्लीकेशन
4. बीकॉम आईएसएम
5. बी.कॉम कैपिटल मार्केट

इतने सारे कोर्स हैं.

बी.कॉम कोर्स प्लेसमेंट:

- यदि आप वाणिज्य में स्नातक (बी.कॉम) हैं तो सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरी के अच्छे अवसर हैं।
- अधिक विशेष रूप से, ऑडिटिंग, सूचना प्रौद्योगिकी आपको टर्पिरियल, पीपीओ, केपीओ, बैंकिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के अवसर मिलते रहेंगे।
- अकाउंटेंट को ऐसे क्षेत्रों में नियोजित किया जा सकता है
वित्त प्रबंधक, परियोजना प्रबंधक और इवेंट मैनेजर भी भूमिका निभा सकते हैं।
जार,आर ऑडिटेड आर,आर
जार,आर
- साथ ही इससे प्राप्त अनुभवों से आप अपना खुद का व्यवसाय भी शुरू कर सकते हैं।

स्नातकोत्तर:

यदि आप बैचलर ऑफ कॉमर्स पूरा करने के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, तो आप सीधे मास्टर ऑफ कॉमर्स (एम.कॉम) कर सकते हैं। इसमें आपके पास अच्छे अवसर भी हैं.

वाणिज्य के क्षेत्र में कई स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हैं। अपना पसंदीदा चुनें और इसे पढ़ें।

वाणिज्य में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम:

1. मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)
2. मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू)

3. मास्टर ऑफ कंप्यूटर साइंस (एमसीएस)
4. मातृ हृदय गति (एमएचआर)
5. प्रबंधित फ़ाइल स्थानांतरण (एमएफटी)
6. मोबाइल इंटरनेट डिवाइस (एमआईडी)
7. चिकित्सकों के लिए मास्टर ऑफ मेडिकल मैनेजमेंट (एमएमएम)

जैसे विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हैं